मुश्ताक अली टी20 ट्राफी

महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

इंदौर। महाराष्ट्र और कर्नाटक की टीमों की कोशिश गुरूवार को यहां मुश्ताक अली टी20 ट्राफी के फाइनल में जीत हासिल कर खिताब अपनी झोली में डालने की होगी। दोनों टीमों ने सुपर लीग चरण में एक भी मैच नहीं गंवाया था और अपने चारों मुकाबलों में जीत हासिल की। महाराष्ट्र को किसी एक विशेष खिलाड़ी के अच्छे प्रदर्शन से नहीं बल्कि सभी के प्रयासों से जीत मिली। कभी अंकित बावने, आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज निखिल नाइक या आल राउंडर नौशाद शेख ने जरूरत के समय टूर्नामेंट में जिम्मेदारी निभायी। नाइक ने रेलवे के खिलाफ बल्ले से शानदार प्रदश्रन करते हुए नाबाद 95 रन की पारी खेली और टीम को 21 रन से जीत दिलायी। अगर महाराष्ट्र को कर्नाटक के गेंदबाजी लाइन अप से निपटना है तो उसके लिये इनमें से एक को अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। महाराष्ट्र के गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई की जिम्मेदारी गेंदबाज समद फलाह के हाथों में है जिसमें सीनियर तेज गेंदबाज डीजे मुथुस्वामी भी शामिल हैं। वहीं सत्यजीत बच्चाव भी शानदार फार्म में हैं। बावने ने कहा कि टीम एकजुट होकर खेल रही है और वे फाइनल के लिये उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि हम बतौर टीम अच्छा खेल रहे है और शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। टीम फाइनल के लिये बेताब है, हम सभी फाइनल के दिन अपना सर्वश्रेष्ठ कर पुणे ट्राफी लाना चाहते हैं। महाराष्ट्र के कोच सुरेंद्र भावे ने कहा कि उनके सभी खिलाड़ी फार्म में हैं। उन्होंने दूधिया रोशनी में होने वाले मुकाबले से पहले कहा कि हम कल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाना चाहते हैं। हमारे सभी खिलाड़ी फार्म में हैं और इस टूर्नामेंट में हमने अच्छा जज्बा दिखाया है और हम एक और दिन इसे जारी रखना चाहेंगे। कर्नाटक की स्टार सुसज्जित टीम में मयंक अग्रवाल, करूण नायर और मनीष पांडे जैसे धुरंधर शामिल हैं जिससे प्रतिद्वंद्वी टीम के लिये चीजें इतनी आसान नहीं होंगी। इसमें बीआर शरत और फार्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज रोहन कदम भी मौजूद हैं जिससे कर्नाटक के बल्लेबाज महाराष्ट्र के आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकते हैं। गेंदबाजी में आर विनय कुमार के अलावा टीम में वी कौशिक शामिल हैं जिनका स्पैल मध्य के ओवरों में अहम भूमिका निभा सकता है। मैच शाम साढ़े पांच बजे शुरू होगा।

उप्पल ने शकील को हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया

मुंबई। दिल्ली के अनुज उप्पल ने बुधवार को यहां सीसीआई अखिल भारतीय ओपन स्नूकर चैम्पियनशिप के तीसरे दौर के मैच में रेलवे के क्यूइस्ट शकील अहमद को 3–0 से शिकस्त देकर उलटफेर किया। उप्पल ने क्रिकेट क्लब आफ इंडिया में बेस्ट ऑफ फाइव के मुकाबले में 71–25 58–52 61–23 से शिकस्त देकर अंतिम चार में जगह सुनिश्चित की। रेलवे के दो अन्य क्यू खिलाड़ियों ने बेहतर खेल दिखाया। मोहम्मद हुसैन ने मंदीप सिंह को 3–1 से जबकि मलकीत सिंह ने माज चक्कीवाला को 3–0 से मात दी। वहीं गुजरात के रूपेश शाह ने दूसरे दौर के मैच में सुब्रत दास पर 3–0 की जीत हासिल की।

पंड्या और राहुल को फटकार लगाये जाने की जरूरत थी : शास्त्री

नयी दिल्ली। भारत के मुख्य कोच रवि शास्त्री ने हार्दिक पंड्या और लोकेश राहुल के टीवी शो पर महिलाओं के खिलाफ की गयी टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि इन दोनों को फटकार लगाये जाने की जरूरत थी। इन दोनों ने छह जनवरी को प्रसारित 'कॉफी विद करण' शो में महिला विरोधी टिप्पणियां की थीं। शास्त्री ने 'मिरर नाउ' से कहा कि पंड्या और राहुल को फटकार लगाये जाने की जरूरत थी। जो कुछ भी हुआ, उससे उन्होंने सबक सीखा होगा जो अच्छा है। उन्होंने कहा कि आप गलतियां कर बैठते हो और कभी कभार आपको सजा भी मिलती है लेकिन दुनिया यहीं खत्म नहीं हो जाती। इस तरह के अनुभव से खिलाड़ियों को मजबूत वापसी करने में मदद मिलती है।

संक्षिप्त

रिद्धिमा ने 66 का शानदार कार्ड खेला, दो शाट की बढ़त बनायी

ग्रेटर नोएडा। भारतीय गोल्फर रिद्धिमा दिलावड़ी ने बुधवार को महिला प्रो गोल्फ टूर के पहले दौर में छह अंडर 66 के शानदार कार्ड खेला जिससे वह दो शाट की बढ़त बनाने में सफल रहीं। रिद्धिमा ने सात बर्डी लगायी जिसमें से चार फ्रंट नाइन में लगी। इसके अलावा उन्होंने तीन बोगी और एक ईगल से भी स्कोर किया। इससे वह एमेच्योर अस्मिता सतीश पर दो शाट की बढ़त बनाने में सफल रहीं जिन्होंने चार अंडर 68 का कार्ड खेला जिसमें पांच बर्डी और एक बोगी लगायी। गौरिका बिश्नोई दो अंडर 70 के कार्ड से तीसरे स्थान पर जबकि अनिका वर्मा और अनीषा पादुकोण एक अंडर 71 के कार्ड से संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर चल रही हैं।

जोशना क्वार्टर फाइनल में पहुंची

काहिरा। भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी जोशना चिनाप्पा ने शानदार लय जारी रखते हुए महिलाओं के ब्लैक बाल स्क्वाश ओपन के प्री–क्वार्टर फाइनल में मंगलवार को यहां छठी वरीयता प्राप्त सारा–जेन पैरी को शिकस्त दी। पहले दौर में दिग्गज निकोल डेविड को हराने वाली जोशना ने इस पीएसए गोल्ड प्रतियोगिता के दूसरे दौर में इंग्लैंड की खिलाड़ी को 11–4, 6–11, 14–12, 11–9 से मात दी। जोशना ने सात साल में सारा पर पहली जीत दर्ज की है। इससे पहले उन्होंने इस खिलाड़ी को 2012 में चेन्नई ओपन में हराया था। अंतिम आठ में जोशना का सामना न्यूजीलैंड की तीसरी वरीयता प्राप्त जोइले किंग से होगा।

फार्मूला वन टीम विलियम्स की डिजिटल साझेदार बनी टाटा कम्यूनिकेशंस

मेलबर्न। फार्मूला वन रेस में अपनी मौजूदगी बढ़ाते हुए भारतीय कंपनी टाटा कम्यूनिकेशंस बुधवार को विलियम्स रेसिंग टीम की डिजिटल साझेदार बनी। दूरसंचार सेवाएं और समाधान मुहैया करने वाली यह कंपनी 2012 से फार्मूला वन के साथ काम कर रही है और मौजूदा चैम्पियन मर्सिडिज के साथ वह 2013 से जुड़ी हुई है। टाटा कम्यूनिकेशंस ने एक बयान में कहा कि विलियम्स टीम पिट लेन गैराज और ब्रिटेन स्थित टीम की रेस फैक्टरी के बीच डाटा स्थानांतरण के लिए टाटा कम्यूनिकेशंस की सेवाओं का इस्तेमाल करेगी।

जोकोविच और ओसाका उलटफेर का शिकार

इंडियन वेल्स (अमेरिका)। बीएनपी पारिबस ओपन में वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों के लिये दिन अच्छा नहीं रहा जिसमें दुनिया के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और नाओमी ओसाका अपने मुकाबले हारकर बाहर हो गये। जोकोविच और फिलिप कोलश्रेबर के बीच तीसरे दौर का मैच रात को बारिश के कारण रोकना पड़ा था जो मंगलवार को शुरू हुआ। लेकिन इसमें जर्मनी के गैर वरीय खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के पांच बार के चैम्पियन जोकोविच पर 6–4 6–4 से जीत हासिल की। कोलश्रेबर का सामना गेल मोंफिल्स से होगा। वहीं ओसाका को चौथे दौर के मुकाबले में महज एक घंटे में बेलिंडा बेनसिच से 3–6 1–6 से हार का मुंह देखना पड़ा। ओसाका ने एक साल पहले इंडियन वेल्स में खिताब जीता था। महिलाओं के चौथे दौर के मुकाबले में सिमोना हालेप को मार्केटा वोनद्रोसोवा से हार मिली। वहीं वीनस विलियम्स क्वार्टरफाइनल में पहुंच गयी हैं, उन्होंने मोना बार्थेल को 6–4 6–4 से मात दी। जोकोविच हालांकि युगल में बने हुए हैं, वह फैबियो फोगनिनी के साथ जोड़ी बनाये हैं। दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी केई निशिकोरी, मारिन सिलिच और दानिल मेदवेदेव भी टूर्नामेंट से बाहर हो गये।

बेंगलुरु के आर्मी ब्वॉयज स्कूल ने जीता युवा कप

नयी दिल्ली। बेंगलुरु के आर्मी ब्वॉयज स्कूल 'एफसी बायर्न युवा कप भारत 2018–19' के फाइनल में इसी शहर के डीपीएस ईस्ट को 2–1 से हराकर चैम्पियन बना। अंडर–16 वर्ग के सात खिलाड़ियों के टीम प्रारूप का यह टूर्नामेंट दिल्ली के एडिडास फुटबाल केंद्र 'द बेस' में दो दिनों तक खेला गया। इस टूर्नामेंट का आयोजन देश के पांच शहरों में हुआ जिसमें 250 से ज्यादा स्कूलों ने भाग लिया। राष्ट्रीय फाइनल की विजेता टीम एफसी बायर्न कप विश्व फाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी जिन्हें बायर्न म्यूनिख टीम के कोच की देखरेख में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

दीपा की निगाहें ओलंपिक पर

नयी दिल्ली। भारत की दीपा करमाकर गुरूवार से बाकू और दोहा में शुरू हो रहे कलात्मक जिमनास्टिक्स विश्व कप में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर ओलंपिक स्थान हासिल करने की कोशिश करेंगी। दीपा ने नवंबर 2018 में जर्मनी के कोटबस में कलात्मक जिमनास्टिक्स विश्व कप की वाल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने का मजबूत दावा पेश किया था। घुटने की चोट से वापसी के बाद यह दीपा का पहला टूर्नामेंट था। इस चोट के कारण जकार्ता एशियाई खेलों में वह वाल्ट फाइनल में नहीं खेल पायी थीं और उन्हें टीम स्पर्धा से हटना पड़ा था। हालांकि उन्होंने समय पर उबरते हुए कोटबस में तीसरा स्थान हासिल कर ओलंपिक क्वालीफिकेशन की उम्मीद बनाये रखीं। दीपा ने मेलबर्न में 21 से 24 फरवरी तक हुए विश्व कप में नहीं खेलने का फैसला किया था और अब उनकी निगाहें बाकू में 14 से 17 मार्च और दोहा में 20 से 23 मार्च तक होने वाले विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन पर लगी हैं। उन्होंने कहा कि इस बार ओलंपिक क्वालीफिकेशन कई दौर से होगा जिसमें विश्व कप भी शामिल हैं। मैं 2020 ओलंपिक क्वालीफिकेशन के लिये अपने मौके बढ़ाने के लिये सभी संभव दौर में भाग लेना चाहती हूं और पिछले साल जर्मनी में विश्व कप में पदक जीतकर मेरे आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हुई है। दीपा ने कहा कि मैं अच्छे प्रदर्शन करके ओलंपिक की ओर प्रगति करने की उम्मीद लगाये हूं।

आस्ट्रेलिया ने दस साल बाद जीती भारत में श्रृंखला

नयी दिल्ली। आस्ट्रेलिया ने उस्मान ख्वाजा के श्रृंखला में दूसरे शतक, लेग स्पिनर एडम जंपा की शानदार गेंदबाजी तथा भारत की प्रयोगधर्मिता का पूरा फायदा उठाकर पांचवें और निर्णायक एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बुधवार को यहां 35 रन से जीत दर्ज करके दस साल बाद भारतीय सरजमीं पर वनडे श्रृंखला अपने नाम की। फिरोजशाह कोटला में केवल दो बार (1982 और 1996) ही कोई टीम 250 से अधिक का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल कर पायी। आस्ट्रेलिया का टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला सही रहा और केवल चार विशेषज्ञ बल्लेबाजों के साथ उतरे भारत के लिये 273 रन का लक्ष्य पहाड़ जैसा बन गया। शुरू में रोहित शर्मा (89 गेंदों पर 56 रन) की अर्धशतकीय पारी तथा बाद में केदार जाधव (57 गेंदों पर 44 रन) और भुवनेश्वर कुमार (54 गेंदों पर 46 रन) ने सातवें विकेट के लिये 91 रन जोड़कर उम्मीद जगायी लेकिन भारत आखिर में 50 ओवर में 237 रन पर आउट हो गया। जंपा ने 46 रन देकर तीन जबकि तेज गेंदबाज पैट कमिन्स, जॉय रिचर्डसन और मार्कस स्टोइनिस ने दो– दो विकेट लिये। इससे पहले ख्वाजा ने 106 गेंदों पर दस चौकों और दो छक्कों की मदद से 100 रन बनाये। उन्होंने कप्तान आरोन फिंच (43 गेंदों पर 27 रन) के साथ पहले विकेट के लिये 76 और पीटर हैंड्सकांब (60 गेंदों पर 52 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिये 99 रन की दो उपयोगी साझेदारियां की। भारत ने अच्छी वापसी की लेकिन पुछल्ले बल्लेबाजों ने अंतिम चार ओवर में 42 रन जुटाये जिससे आस्ट्रेलिया नौ विकेट पर 272 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंच गया। आस्ट्रेलिया ने इससे पहले 2009 में भारतीय सरजमीं पर छह मैचों की श्रृंखला 4–2 से जीती थी। इस बार उसने पहले दो मैच गंवाने के बाद लगातार तीन मैच जीतकर श्रृंखला 3–2 से अपने नाम की। यह वनडे में पांचवां अवसर है जबकि किसी टीम ने पहले दो मैच हारने के बाद श्रृंखला जीती। आस्ट्रेलिया से पहले दक्षिण अफ्रीका (दो बार), बांग्लादेश और पाकिस्तान ने यह उपलब्धि हासिल की थी। भारत ने दूसरी बार पहले दो मैच जीतने के बाद श्रृंखला गंवायी। इससे पहले 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ वह शुरुआती बढ़त का फायदा नहीं उठा पाया था। शिखर धवन (12) मोहाली की अपनी फार्म को बरकरार नहीं रख पाये। दिल्ली का एक अन्य स्टार कोहली आक्रामक मूड में लग रहे थे। मनपसंद शाट नहीं लगने पर वह एक दो बार झल्लाये भी। ऐसे में मार्कस स्टोइनिस की अतिरिक्त उछाल वाली अपेक्षाकृत धीमी गेंद पर कट करने के प्रयास में वह विकेट के पीछे कैच दे बैठे। कोटला को सांप सूंघ गया। दिल्ली का एक बल्लेबाज पवेलियन लौट रहा था तथा एक और बल्लेबाज अपने घरेलू मैदान पर उतर रहा था। विश्व कप 2015 के बाद नंबर चार पर कई प्रयोग करने वाली भारतीय टीम ने ऋषभ पंत (16) को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी लेकिन वह पहली परीक्षा में नाकाम रहे। जंपा पर छक्का जड़कर उत्साह जगाने वाले इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने आफ स्पिनर नाथन लियोन की बाहर की तरफ टर्न होती गेंद पर स्लिप में कैच थमा दिया। विजय शंकर (16) उतावलापन महंगा पड़ा तो रोहित दो जीवनदान का फायदा नहीं उठा पाये। अपना 41वां अर्धशतक पूरा करने वाले यह बल्लेबाज अति उत्साही शाट लगाने के प्रयास में स्टंप आउट हो गया। जंपा ने इसी ओवर में रविंद्र जडेजा (शून्य) को भी पवेलियन भेजा। भारत की हार जब तय लग रही थी तब जाधव ने दर्शकों में भरोसा जताया जबकि भुवनेश्वर ने अपने बल्लेबाजी कौशल का अच्छा नमूना पेश किया। इन दोनों ने दिखाया कि दबाव में सतर्कता और आक्रामकता के साथ बल्लेबाजी कैसे की जाती है। जाधव ने मैक्सवेल पर छक्का लगाया तो भुवनेश्वर ने जंपा और जॉय रिचर्डसन की गेंदें छह रन के लिये भेजकर अपनी सीटों से उठ चुके दर्शकों को बैठने के लिये मजबूर किया। लेकिन इन दोनों के लगातार गेंदों पर आउट होने से रही सही उम्मीद समाप्त हो गयी। इससे पहले भारत ने पांच विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ उतरने का फैसला किया। जसप्रीत बुमराह (दस ओवर में 39 रन, कोई विकेट नहीं) और जडेजा (दस ओवर में 45 रन देकर दो विकेट) ने अधिक प्रभावित किया। भुवनेश्वर (दस ओवर में 48 रन देकर तीन विकेट) सबसे सफल गेंदबाज रहे, मोहम्मद शमी (नौ ओवर में 57 रन देकर दो विकेट) ने टुकड़ों में अच्छी गेंदबाजी की लेकिन कुलदीप यादव (दस ओवर में 74 रन एक विकेट) ने निराश किया। जडेजा ने अपने पहले ओवर में फिंच को आउट करके भारत को पहली सफलता दिलायी लेकिन दूसरे स्पिनर कुलदीप को बल्लेबाजों ने आसानी से खेला। आस्ट्रेलियाई पारी के चारों छक्के इस चाइनामैन स्पिनर पर लगे। कुलदीप की एक गुगली ने जरूर हैंड्सकांब को छका दिया था लेकिन तब विकेटकीपर पंत भी गच्चा खा गये और गेंद चार रन के लिये चली गयी। आस्ट्रेलिया 28 ओवर के बाद एक विकेट पर 157 रन बनाकर बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रहा था। ऐसे में अपने पहले चार ओवर में केवल आठ रन देने वाले बुमराह ने दबाव बनाया तो भुवनेश्वर और जडेजा ने उसे भुनाया। ख्वाजा ने 102 गेंदों पर शतक पूरा किया लेकिन इसी स्कोर पर भुवनेश्वर की गेंद पर कवर में कैच दे बैठे। कोहली ने ही अगले ओवर में ग्लेन मैक्सवेल (एक) का एक्स्ट्रा कवर पर कैच लेकर दर्शकों में जोश भरा। शमी अपना तीसरा स्पैल करने के लिये आये। उनकी तेजी से उठती गेंद को हैंडसकांब नहीं समझ पाये जो उनके बल्ले को चूमकर विकेट के पीछे गयी और इस बार पंत ने कोई गलती नहीं की। हैंड्सकांब ने इससे पहले वनडे में अपना चौथा अर्धशतक पूरा किया। मोहाली के नायक एश्टन टर्नर (20), स्टोइनिस (20) और कैरी (तीन) ने तेजी से रन बनाने के प्रयास में विकेट गंवाये। जॉय रिचर्डसन (29) और पैट कमिन्स (15) ने 48वें ओवर में बुमराह पर 19 रन बटोरकर उनका गेंदबाजी विश्लेषण बिगाड़ा और स्कोर 250 रन के पार पहुंचाया।

रोनाल्डो के हैट्रिक से युवेंटस फाइनल में

तुरिन (इटली)। दिग्गज फुटबाल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो की आठवीं हैट्रिक की बदौलत इटली के फुटबाल क्लब युवेंटस ने चैम्पियन्स लीग के प्री–क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले में मंगलवार को यहां एटलेटिको मैड्रिड को 3–0 से शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। रोनाल्डो के लिए चैम्पियन्स लीग में यह आठवी हैट्रिक है जिससे उन्होंने बार्सिलोना के अपने प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेस्सी के रिकार्ड की बराबरी की। युवेंटस इस जीत के साथ ही पहले चरण के मुकाबले में स्पेन के क्बल से मिली 0–2 की हार का बदला भी ले लिया। टीम ने कुल 3–2 के अंतर से जीत दर्ज की। रीयल मैड्रिड के इस पूर्व खिलाड़ी ने मैच के 27वें मिनट में गोलकर युवेंटस का खाता खोला। उन्होंने दूसरे हाफ के शुरूआत (49वें मिनट) में ही टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। मैच खत्म होने से कुछ समय पहले रोनाल्डो ने पेनल्टी को गोल में बदल कर एटलेटिको मैड्रिड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस जीत के बाद रोनाल्डो ने एटलेटिको मैड्रिड ने कोच डिएगो सिमोन की तरफ उनके द्वारा पहले दौर के मैच में किये गये अश्लील इशारे की नकल की। सिमोन ने पहले दौर के मैच को 2–0 से जीतने के बाद ऐसा ही इशारा किया था, जिसके बाद यूएफा ने उन पर 20,000 यूरो का जुर्माना लगाया था। अब ये देखना होगा की रोनाल्डो पर जुर्माना होता है यह नहीं।

खुद को आजमाने के लिये अहम होगा सुल्तान अजलन शाह कप : सुरेंदर

बेंगलूरू। भारतीय पुरुष हाकी टीम के उप कप्तान सुरेंदर कुमार ने बुधवार को कहा कि 2020 ओलंपिक के लिये क्वालीफाइंग टूर्नामेंट से पहले आगामी सुल्तान अजलन शाह कप युवाओं के लिये खुद को आजमाने का अच्छा मौका होगा। भारत 28वें सुल्तन अजलन शाह कप में युवा टीम को उतारेगा जिसमें हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, सुमित, नीलकांत शर्मा, सुमित कुमार (जूनियर), गुरिंदर सिंह, सिमरनजीत सिंह और गुरजंत सिंह शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने सीनियर टीम के साथ अंतर्राष्ट्रीय आगाज के बाद अपार संभावनायें दिखायी हैं। सुरेंदर ने कहा कि सुल्तान अजलन शाह कप हमेशा ही युवाओं के लिये अच्छा मंच रहा है जिससे वे देख सकते हैं कि वे अंतर्राष्ट्रीय मानकों के हिसाब से कैसे अनुकूलित हो सकते हैं। हमें इस साल जो 2020 ओलंपिक खेलों के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट खेलने हैं, उससे पहले इस टूर्नामेंट में खेलकर उनके अनुभव में बढ़ोतरी होगी। टीम यहां भारतीय खेल प्राधिकरण के शिविर में अभ्यास में जुटी है। उन्होंने कहा कि इनमें से कुछ खिलाड़ियों ने एफआईएच चैम्पियंस ट्राफी और 2018 पुरुष विश्व कप में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। हम उनसे ऐसी परिस्थितियों में नियमित रूप से दबाव झेलने के बारे में बात कर रहे हैं जब हम एक या दो गोल से पिछड़ रहे हों। उनका अच्छा प्रदर्शन हमारी टीम के लिये फायदेमंद साबित होगा जो तोक्यो 2020 ओलंपिक खेलों के लिये अहम होगा। तेईस मार्च से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में भारत की उम्मीदें पूछने पर उन्होंने कहा कि लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना है लेकिन हम फाइनल के बारे में सोचकर इस टूर्नामेंट में नहीं जा रहे। हम एक एक कदम आगे बढ़ेंगे। हमारा पहला मैच जापान से है और फिर कोरिया से। अच्छी शुरूआत करना अहम है।

रोहित शर्मा वनडे में 8000 रन पूरे करने वाले नौवें भारतीय

नयी दिल्ली। भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 8000 रन पूरे करने वाले भारत के नौवें और दुनिया के 31वें बल्लेबाज बन गये हैं। रोहित ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार को यहां पांचवें वनडे में 46 रन बनाते ही यह उपलब्धि हासिल की। रोहित ने 200वीं पारी में यह आंकड़ा छुआ। विराट कोहली 175 और एबी डिविलियर्स 182 पारियों में इस मुकाम पर पहुंचे थे। सौरव गांगुली ने भी 200 पारियों में 8000 वनडे रन पूरे किये थे। रोहित से पहले जिन भारतीय बल्लेबाजों ने वनडे में 8000 रन पूरे किये उनमें सचिन तेंदुलकर (18426), सौरव गांगुली (11363), राहुल द्रविड़ (10889), विराट कोहली (10843), महेंद्र सिंह धोनी (10500), मोहम्मद अजहरूद्दीन (9378), युवराज सिंह (8701) और वीरेंद्र सहवाग (8273) शामिल हैं।

पूर्व अंतर्राष्ट्रीय फुटबालर रेनेडी सिंह बने नेरोका एफसी के कोच

इम्फाल। भारत के पूर्व मिडफील्डर रेनेडी सिंह को बुधवार को नेरोका एफसी को मुख्य कोच नियुक्त किया गया जो अब स्पेन के मैनुअल रेटामेरो फ्रेले की जगह लेंगे। मैनुअल रेटामेरो ने हाल में समाप्त हुई आई लीग प्रतियोगिता में टीम के छठे स्थान पर रहने के बाद हटने का फैसला किया था। नेरोका की टीम 12वीं आई लीग के अंतिम मैच में रीयल कश्मीर से 2–3 से हार गयी थी जिससे उसके 20 मैचों में 26 अंक रहे। रेनेडी का घर क्लब के बेस से कुछ ही किलोमीटर दूर है। 39 साल के रेनेडी भारत के लिये 1998 से 2011 के बीच 59 मैच खेल चुके हैं। उन्होंने कई मौकों पर भारतीय टीम की कप्तानी भी संभाली थी और कतर में 2011 एशियाई कप में भी खेले थे। अंतर्राष्ट्रीय फुटबाल से 2011 में संन्यास लेने के बाद वह कोचिंग दे रहे हैं। वह इंडियन सुपर लीग की टीम पुणे सिटी एफसी में 2015–16 सत्र में सहायक कोच भी रहे थे। वह एएफसी – ए लाइसेंसधारी कोच हैं। रेनेडी ने कहा कि नेरोका एफसी का मुख्य कोच नियुक्त किया जाना सम्मान की बात है।

चौथे नंबर पर लगातार प्रयोग करता रहा भारत

नयी दिल्ली। विश्व कप शुरू होने में अब जबकि केवल ढाई महीने का समय बचा है तब जिस तरह की परिस्थितियां नजर आ रही है उसे देखकर लगता है कि भारतीय टीम प्रबंधन बल्लेबाजी लाइनअप में सबसे महत्वपूर्ण चौथे स्थान को लेकर असमंजस में है क्योंकि पिछले चार साल में उसने जिन 11 बल्लेबाजों को (आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें वनडे से पूर्व) इस स्थान पर आजमाया वे अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे। भारत विश्व कप से पहले अपना आखिरी मैच खेलने के लिये फिरोजशाह कोटला मैदान पर उतरा तो उसने चौथे नंबर पर एक नये बल्लेबाज को आजमाना उचित समझा। भारत मैच में चार विशेषज्ञ बल्लेबाजों के साथ उतरा लेकिन इनमें विकेटकीपर ऋषभ पंत भी शामिल हैं। विजय शंकर की बल्लेबाजी में लगातार सुधार के बाद अब टीम प्रबंधन ने इस आलराउंडर पर चौथे नंबर के बल्लेबाज के रूप में भरोसा जताया है। भारत ने विश्व कप 2015 के बाद जिन बल्लेबाजों को चौथे नंबर पर आजमाया है उनमें से सर्वाधिक 14 मैच अंबाती रायुडु ने खेले हैं। आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला से पहले रायुडु की नंबर चार पर जगह पक्की लग रही थी लेकिन पहले तीन मैचों में वह केवल 33 रन बना पाये और टीम प्रबंधन ने 30 मई से ब्रिटेन में शुरू होने वाले विश्व कप से पहले के आखिरी दो मैचों में इस नंबर पर किसी अन्य खिलाड़ी को आजमाने का फैसला किया। मोहाली में खेले गये चौथे वनडे में केएल राहुल को मौका देने के कारण कोहली चौथे नंबर पर उतरे। यह पिछले चार वर्षों में तीसरा मौका था जबकि कोहली चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिये उतरे और इन तीन मैचों में वह केवल 30 रन बना पाये। स्पष्ट है कि भारतीय कप्तान को सीमित ओवरों में चौथा नंबर रास नहीं आता और उन्हें तीसरे नंबर पर ही बल्लेबाजी करना भाता है। रायुडु आस्ट्रेलियाई श्रृंखला से पहले चौथे नंबर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने पिछले विश्व कप के बाद इस नंबर पर 14 मैचों में 42.18 की औसत से 464 रन बनाये। रायुडु के बाद अगर किसी अन्य बल्लेबाज के लिये यह स्थान आदर्श माना जा रहा था तो वह पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी थे। धोनी पिछले चार साल में 12 मैचों में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिये उतरे जिसमें उन्होंने 40.72 की औसत से 448 रन बनाये लेकिन उनका स्ट्राइक रेट 76.84 रहा। अंजिक्य रहाणे भले ही भारतीय वनडे टीम का सदस्य नहीं हैं लेकिन एक समय वह भी चौथे नंबर पर उतरने के दावेदार थे। अब भी उनकी दावेदारी को एकदम से दरकिनार नहीं किया जा सकता है। रहाणे ने विश्व कप 2015 के बाद इस नंबर पर दस मैच खेले जिसमें 46.66 की औसत से 420 रन बनाये। उनका स्ट्राइक रेट भी 92.71 रहा। दिनेश कार्तिक, मनीष पांडे और युवराज सिंह भी पिछले चार वर्षों में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिये उतरे। युवराज और पांडे ने इस नंबर पर एक एक शतक भी जमाया लेकिन अन्य मैचों में वे प्रभावित नहीं कर पाये। कार्तिक को दूसरे विकेटकीपर के रूप में वर्तमान श्रृंखला के लिये टीम में जगह नहीं मिली जिससे उनकी विश्व कप टीम में जगह को लेकर अनिश्चितता बन गयी है। कार्तिक ने पिछले चार वर्षों में चौथे नंबर पर नौ मैचों में 264 रन बनाये। केएल राहुल (चार मैच में 26 रन) और केदार जाधव (चार मैच में 18 रन) ने चौथे नंबर पर सबसे अधिक निराश किया। हार्दिक पंड्या को पांच मैचों में चौथे नंबर पर उतारा गया लेकिन वह भी एक पारी (78 रन बनाम आस्ट्रेलिया, इंदौर 2017) को छोड़कर कुछ कमाल नहीं कर पाये। ऐसे हालात में अब यह देखना दिलचस्प होगा कि विश्व कप 2019 में भारतीय बल्लेबाजी लाइनअप के लिये सरदर्द बना चौथा स्थान कौन संभालता है, रायुडु, धोनी, विजय शंकर या कोई और।

'शाट क्लॉक' सहित टेस्ट में फ्री हिट की सिफारिश

लंदन। एमसीसी विश्व क्रिकेट समिति ने लंबे प्रारूप को दिलचस्प बनाने के लिये कुछ प्रस्ताव दिये हैं जिसमें समय बरबाद होने से रोकने के लिये 'शाट क्लॉक' लगाया जाना, शुरूआती विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिये मानक गेंद का इस्तेमाल और नो–बॉल के लिये फ्री हिट जैसी सिफारिशें शामिल हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइक गैटिंग की अध्यक्षता वाली समिति ने पिछले हफ्ते बंगलुरू में हुई बैठक में टेस्ट क्रिकेट के लिये कुछ बदलावों का सुझाव दिया है। इस समिति में पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली भी शामिल हैं। इन प्रस्तावों को मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने मंगलवार की रात यहां अपनी वेबसाइट पर लगाया है। पांच दिवसीय प्रारूप में धीमी ओवर गति नियमित प्रक्रिया है जिससे प्रशंसक खेल से थोड़ा दूर हो रहे हैं इसलिये एमसीसी समिति ने 'शाट क्लॉक' आरंभ करने की जरूरत व्यक्त की। एमसीसी ने कहा कि जब इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के प्रशंसकों से टेस्ट क्रिकेट में दर्शकों की कम हिस्सेदारी के मुख्य कारकों को पूछा गया तो 25 प्रतिशत प्रशंसकों ने धीमी ओवर गति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन देशों में स्पिनर बहुत कम ओवर फेंकते हैं, एक दिन में पूरे 90 ओवर कभी कभार नहीं फेंके जाते, यहां तक कि अतिरिक्त 30 मिनट भी ले लिये जाते हैं। एमसीसी ने कहा कि वहीं डीआरएस भी देरी के लिये थोड़ा जिम्मेदार है, समिति को लगता है कि खेल की रफ्तार को बढ़ाने के लिये कुछ कदम उठाये जाने चाहिए।

संस्थापकः स्व.जी.एस.भण्डारी
जी.एस.भण्डारी एण्ड को. के लिए प्रकाशक मुद्रक डा.उषा किरन भण्डारी द्वारा उत्तर उजाला प्रेस, उजाला नगर बरेली रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित व भण्डारी भवन, मल्लीताल, नैनीताल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
मुख्य सम्पादक : डा. उषा किरन भण्डारी
फोन:हल्द्वानी 252129, 252975 नैनीताल: 236154, फैक्स: 05946-252321
पंजी.सं. आर.एन.32942/77 website: www.uttarujala.com
E-mail : uttarujala7@gmail.com uttarujala@rediffmail.com